राज्यपाल श्री राम नाईक का लखनऊ में सोमवार, 20 अक्टूबर, 2014 को 'प्रेस से मिलिए' कार्यक्रम में उद्‌बोधन

पत्रकार मित्रों,

मैंने आज विशेष तौर पर आपको राजभवन में आयोजित 'प्रेस से मिलिए' कार्यक्रम में आमंत्रित किया है। आपने उसे स्वीकार किया इसलिए मैं अभिवादन करता हूँ और आपके प्रति आभार व्यक्त करता हूँ। साथ ही साथ मैं आपको दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं भी देता हूँ। पेट्रोल-डीजल के दाम अब कम हुए हैं। परिणामस्वरूप नूतन वर्ष में मंहगाई कम होगी ऐसी अपेक्षा भी करता हूँ।

आप जानते हैं कि मैं मुम्बई से तीन बार विधायक तथा पांच बार सांसद भी रह चुका हूँ। मैं अपने क्षेत्र में जनप्रतिनिधि होने के नाते हर वर्ष अपनी वार्षिक रिपोर्ट मतदाताओं से जवाबदेही भूमिका में प्रस्तुत करता रहा हूँ। जब मैं सांसद था तो मैने प्रति वर्ष 'लोकसभा में राम नाईक' का प्रकाशन किया। वर्ष 2004 के बाद चुनाव हारने के बाद भी मैंने जन सेवा का राजनैतिक कार्य जारी रखा। इस दौरान भी मैंने अपना वार्षिक कार्यवृत्त 'लोक सेवा में राम नाईक' प्रकाशित किया।

22 जुलाई 2014 को मैंने उत्तर प्रदेश के राज्यपाल पद की शपथ ली। दो दिन के बाद, 22 अक्टूबर को तीन माह पूरे हो रहे हंै। उसी क्रम में मेरी पुत्री श्रीमती विशाखा कुलकर्णी ने यह पुस्तक 'राजभवन में राम नाईक' बनवाई जिसका विमोचन मैं आज कर रहा हूँ। मुझे विश्वास है कि इस पुस्तक के माध्यम से आपको तथा उत्तर प्रदेश की जनता को मेरी गतिविधियों और कार्य पद्‌वति के बारे में जानने का अवसर मिलेगा। यदि आप पाठक के रूप में अपनी राय से मुझे अवगत करायेंगे तो वह भविष्य में मेरे लिए उपयोगी होगी। पुस्तक निर्माण में राजभवन के अधिकारियों का भी अभिनंदनीय सहयोग प्राप्त हुआ है।

राज्यपाल रहते हुए अपनी सांविधानिक लक्ष्मण रेखा और दायित्व का ध्यान रखते हुए मैं कार्य कर रहा हूँ। मेरी जानकारी का एक महत्वपूर्ण स्रोत समाचार पत्र और समाचार चैनल भी हैं। मैं जब सुबह समाचार पत्र देखता हूँ तो आगे दिन में मुझे क्या करना है इसकी एक रूपरेखा मन में तैयार होती है। आप पत्रकार मेरे काम में सहायक हैं ऐसा मेरा मानना है। इसके लिए मैं आपको धन्यवाद प्रदान करता हूँ।